भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 2816
उत्तर देने की तारीख-07/08/2023

नवोदय विद्यालयों में सीखने में कमी

†2816.श्री कुलदीप राय शर्मा:
डॉ. डी. एन. वी. सेंथिलकुमार एस.:
श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुले:
डॉ. सुभाष रामराव भामरे:

क्या **शिक्षा** :

( ) , जिसके परिणामस्वरूप अध्यापन में बोधगम्यता में भारी अंतर आया है:

( ) , तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में सरकार द्वारा क्या सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं:

( ) ;

( ) ;

(ङ) सरकार द्वारा सर्वेक्षण के नतीजे के सम्बन्ध में क्या सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं;

(च) क्या सरकार एनएएस आयोजित करने के पश्चात् जिला स्तर पर बच्चों की सीखने में आई कमी को पूरा करने में सफल रही है;

(छ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ज) क्या सरकार का निकट भविष्य में इसी तरह का सर्वेक्षण करने का विचार है;

(झ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
( )

(क) और (ख) (जनवि) का उद्देश्य मुख्य रूप से अपने परिवार की सामाजिक-आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली बच्चों को संस्कृति के मजबूत घटक, मूल्यों का समावेश, पर्यावरण के बारे में जागरूकता, साहसिक गतिविधियों और शारीरिक शिक्षा सहित अच्छी गुणवत्ता वाली आधुनिक शिक्षा प्रदान करना है। ये उद्देश्य काफी हद तक हासिल कर लिए गए हैं, जैसा कि जनवि. के छात्रों की प्रवेश की मांग और शैक्षणिक प्रदर्शन से स्पष्ट है, जिन्होंने सीबीएसई बोर्ड परीक्षाओं, विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं, प्रवेश परीक्षाओं, सिविल सेवा परीक्षाओं आदि में लगातार अनुकरणीय प्रदर्शन किया है।

(ग) से (झ) स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था का सर्वेक्षण कराना एक सतत प्रक्रिया है। भारत सरकार तीन वर्षों की अवधि के चक्र के साथ कक्षा III, V, VIII और X के लिए नमूना आधारित राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस) का एक रोलिंग कार्यक्रम लागू कर रही है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) 2001 से समय-समय पर एनएएस आयोजित कर रही है। एनएएस का उद्देश्य शिक्षा प्रणाली के स्वास्थ्य के संकेतक के रूप में बच्चों की प्रगति और अधिगम की दक्षताओं का मूल्यांकन करना है, ताकि विभिन्न स्तरों पर सुधारात्मक कार्रवाई के लिए उचित कदम उठाए जा सकें। एनएएस का अंतिम दौर 12.11.2021 को आयोजित किया गया था और इसमें कक्षा 3 और 5 के लिए भाषा, गणित और पर्यावरण विज्ञान; कक्षा 8 के लिए भाषा, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान और कक्षा 10 के लिए भाषा, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और अंग्रेजी विषय में छात्रों का मूल्यांकन किया गया था। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के 720 जिलों के 1.18 लाख स्कूलों के लगभग 34 लाख छात्रों का मूल्यांकन (क) सरकारी स्कूलों (केंद्र सरकार और राज्य सरकार) (ख) सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों; और (ग) निजी गैर सहायता प्राप्त स्कूलों से किया गया था।

इसके अलावा, सरकारी स्कूलों (केंद्र सरकार और राज्य सरकार), सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों और निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों सहित प्रत्येक प्रकार के स्कूलों के छात्रों के प्रदर्शन को दर्शाने वाला एनएएस 21 का राष्ट्रीय, राज्य और जिला रिपोर्ट कार्ड 25.05.2022 को सार्वजनिक डोमेन http://nas.gov.in पर जारी किया गया है।

शिक्षा मंत्रालय द्वारा 28/07/2022 को अधिगम स्तर में सुधार लाने और एनएएस 21 डेटा के आधार पर विभेदक योजना पर ध्यान केंद्रित करने हेतु दीर्घकालिक, मध्यावधि और अल्पकालिक कार्यकलाप तैयार करने में राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों की सहायता हेतु उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र राज्यों, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एसईसीआरटी), ( )

/

*****